SN – 115

27

III Semester B.Com. Examination, November/December 2013
(Semester Scheme)
(2010-11 and Onwards) (F+R)
HINDI LANGUAGE (Paper – III)
Upanyas, Nibandh, Sankshiptikaran

Time : 3 Hours Max. Marks : 90/100

Instructions *: 1) Question No.* ***VI*** *is* ***compulsory*** *for* ***2012-13*** *and onwards batch.*
2) ***100*** *marks for Fresh student of* ***2012-13*** *batch and onwards.*
3) ***90*** *marks for Repeaters prior to* ***2012-13****.*

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द वाक्यांश या वाक्य में लिखिए : **(1×10=10)**

1) सधन को नौकरी के लिये कहाँ से बुलावा आया था ?
2) मजीठिया का बेटा केनैडा में कौन-सा कोर्स कर रहा था ?
3) रेखा द्वारा लिखित कितनी कहानियाँ स्टैला ने फ्लॉपी पर उतार दी थी ?
4) जन-कल्याण समीति, कॉलोनी में कौन-से पाठ का आयोजन करती थी ?
5) 'दौड़' उपन्यास की लेखिका का नाम क्या है ?
6) सरल मार्ग का कैम्प राजकोट से कितने मील दूर था ?
7) डिमैलो कॉरपोरेशन किस गैस-कंपनी को कम्प्यूटर सप्लाई करती थी ?
8) इलाहाबाद से अहमदाबाद की दूरी कितने कि.मी. है ?
9) पन्द्रह हजार दर्शकों के बैठने का इन्तजाम कहाँ किया गया था ?
10) निकिता की बेटी का नाम क्या है ?

ST. CLARET COLLEGE LIBRARY

II. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही **दों** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(2×14=28)**

1) 'दौड़' उपन्यास में आये नारी पात्रों में से रेखा और राजुल का चरित्र-चित्रण सविस्तार लिखिए ।
2) 'दौड़' उपन्यास का सारांश लिखिकर उसकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।
3) "केवल अर्थशास्त्र से जीवन नहीं कटता पवन, उसमें थोड़ा दर्शन और अध्यात्म और देर-सी संवेदना भी पनपनी चाहिए". इस कथन के आधार पर राकेश की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

P.T.O.

III. किसी **दो** विषय पर टिप्पणी लिखिए : **(2×7=14)**

1) पवन और शरद जैन का वार्तालाप ।

2) स्वामी कृष्ण स्वामी का चरित्र चित्रण।

3) भूषण का चरित्र चित्रण ।

IV. किसी **दो** विषय पर निबंध लिखिए : **(2×14=28)**

1) कर ।

2) सहकारिता ।

3) भारतीय संविधान ।

V. निम्नलिखित परिच्छेद का उचित शीर्षक देते हुए एक तिहाई में संक्षेपण कीजिए : **10**

औद्योगीकरण की कोई भी योजना तब तक सफल नहीं हो सकती जब तक कि हम उसमें कुटीर उद्योगों को महत्वपूर्ण स्थान न दें । कारण स्पष्ट है । हमारी नागरिक अर्थव्यवस्था में ग्रामीण अर्थव्यवस्था अधिक महत्व रखती है । जब तक हम अपनी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुधारने का प्रयत्न नहीं करते, तब तक राष्ट्र निर्माण के हमारे सारे कार्य अधूरे रहेंगे । गाँवों में शहरों के समान बृहतकाय-उद्योगों के पनपने की सुविधाएँ नहीं हैं । न वहाँ यातायात औरत परिवहन के साधनों की, न शक्ति के साधनों की सुविधाएँ हैं और न उपयुक्त मात्रा में पूँजी का ही संगठन संभव है । गाँवों के वर्तमान वातावरण में कुटीर उद्योगों के ही समृद्ध होने की संभावना है ।

Note : Compulsory question for **2012-13** & onwards batch. **10**

सूचना : 2012–13 एवं **2013–14** विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य प्रश्न :

VI. किसी **एक** का चरित्र-चित्रण कीजिए :

1) रोजविन्दर ।

2) सधन ।